टेस्ट में बेस्ट - भारत - बल्ले के बाद गेंद से भी रवींद्र जडेजा ने ली ऑस्ट्रेलिया की खूब खबर

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जे को लेकर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच धर्मशाला में खेले जा रहे चार मैचों की सीरीज के तीसरे मैच में टीम इंडिया ने पहले पकड़ मजबूत की फिर जीत दर्ज कर ली, पहले दो दिन दोनों टीमों के बीच जोरदार संघर्ष देखने को मिला, लेकिन तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया पूरी तरह हावी नजर आई है, ऐसा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के करिश्माई प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है, जडेजा ने 63 रन बनाने के बाद गेंद से भी धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेल दिया, इसमें तेज गेंदबाज उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन का भी अहम योगदान रहा, दूसरी पारी में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 137 रन पर ही सिमट गई, रवींद्र जेडजा, आर अश्विन और उमेश यादव ने तीन-तीन विकेट तो भुवनेश्वर ने एक विकेट लिया है, टीम इंडिया को यह मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा करने के लिए 106 रन की जरूरत है, टीम इंडिया ने 14 रन बना लिए हैं, मुरली विजय 2 और लोकेश राहुल 12 क्रीज पर है। ग्लेन मैक्सवेल के अलावा कोई भी कंगारू बल्लेबाज टिक नहीं पाया, पहली पारी में भारत से 32 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, ग्लेन मैक्सवेल ने सर्वाधिक 45 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और एक छक्का जड़ा, मैथ्यू वेड 25 रन पर नाबाद रहे, अन्य कोई भी बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल पाया, 6 बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचे, उमेश यादव ने डेविड वॉर्नर को 6 रन पर कीपर साहा के हाथों कैच कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई, फिर भुवनेश्वर कुमार ने पहली पारी के शतकवीर स्टीव स्मिथ को बोल्ड कर दिया, इसके बाद उमेश ने मैट रेनशॉ को पैवेलियन की राह दिखाकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को जोरदार झटका दिया। लंच से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के 300 रनों के जवाब में टीम इंडिया की पहली पारी 332 रनों पर सिमट गई, इस प्रकार टीम इंडिया को पहली पारी में 32 रनों की बढ़त मिली थी।

भुवनेश्वर ने झटका सबसे खतरनाक विकेट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही इस सीरीज में टीम इंडिया के लिए कोई बल्लेबाज सबसे ज्यादा खतरनाक साबित

हुआ है तो वे हैं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीवन स्मिथ, ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीवन स्मिथ ने अभी केवल 53 टेस्ट ही खेले हैं, भारत ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान स्मिथ का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, स्मिथ ने धर्मशाला में भारत के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट में पहले दिन अपना 20वां टेस्ट शतक भी पूरा किया है। सीरीज के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजों को स्मिथ को आउट करने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है, स्मिथ भारत में एक सीरीज में तीन शतक लगाने वाले छठे विदेशी खिलाड़ी और पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी बन चुके हैं।

हर मैच में मुसीबत बन रहे स्मिथ को लेकर धर्मशाला टेस्ट की दूसरी पारी में टीम इंडिया के लिए राहत भरी रही, पहली पारी में शतक 111 बनाने वाले स्मिथ दूसरी पारी में जल्दी ही आउट हो गए, स्मिथ दूसरी पारी में केवल 17 रन बना पाए, उन्हें भुवनेश्वर कुमार ने क्लीन बोल्ड किया।

यही था टर्निंग पाइंट

भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच धर्मशाला में चल रहे टेस्ट मैच में कई रोमांचक और हैरान कर देने वाले पल सामने आए, जडेजा के शानदार अर्धशतक फिर भुवनेश्वर का स्मिथ का विकेट लेना, इस विकेट के साथ ही कप्तानी कर रहे,अजिंक्य रहाणे का एक शानदार कैच भी इस मैच का महत्वपूर्ण लम्हा बन गया है।

अश्विन की गेंद पर रहाणे का शानदार कैच

25वें ओवर में अश्विन की तीसरी गेंद पर पीटर हैंड्सकोंब अपने बल्ले का पूरा बाहरी किनारा लगा बैठे, इसके बाद रहाणे ने कोई गलती नहीं की, शानदार कैच लिया और इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट गिर गया।

गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हुए परेशान

भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे धर्मशाला टेस्ट की दूसरी पारी में टीम इंडिया के गेंदबाजों ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को नाकों चने चबवा दिए, उमेश यादव और भुवनेश्वर कुमार दोनों ने ही अपने बाउंसर्स से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की नाक में दम किया और टेस्ट में बेस्ट भारत जीता। अब बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी पर भारत का कब्जा है।

मैंच फिक्सिंग के आरोप से भड़के पाकिस्तानी क्रिकेटर दिया करारा जवाब

पाकिस्तानी क्रिकेट इन दिनों मैच फिक्सिंग के साये में है, पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान सामने आया स्पॉट फिक्सिंग विवाद बढ़ता जा रहा है। अब तक पांच खिलाड़ियों को संदेह के घेरे में निलंबित किया जा चुका है। इस बीच पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों ने इस पर प्रतिक्रिया भी देनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में दिग्गज बल्लेबाज शाहिद अफरीदी और मोहम्मद हफीज ने पीसीबी से मांग की है कि इस मामले की गहरी जांच होनी चाहिए और दोषी खिलाड़ियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, इतना ही नहीं दोनों का कहना है कि दोषियों को कड़ी सजा देकर क्रिकेट से बाहर कर देना चाहिए। शाहिद अफरीदी ने पूर्व में सामने आए मामलों को लेकर बोर्ड की ओर से लापरवाही बरते जाने का संकेत देते हुए कहा कि हमने पहले के खिलाड़ियों को एक समय के बाद राहत देकर अच्छा नहीं किया, अफरीदी ने मैच फिक्सिंग के दोषी रहे मोहम्मद आमिर आदि की वापसी का भी विरोध किया था। शाहिद अफरीदी ने इस मामले पर जियो न्यूज चैनल से कहा, समस्या यह है कि ये स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण पाकिस्तानी क्रिकेट को नुकसान पहुंचाना जारी रखेंगे क्योंकि हमने उदाहरण पेश नहीं किए, जो खिलाड़ी इसमें लिप्त होकर दोषी पाए गए थे, उन्हें सजा नहीं दी उन्होंने कहा मेरा कहना है कि अगर कोई खिलाड़ी फिक्सिंग में दोषी पाया जाता है, तो उसे घरेलू क्रिकेट में भी खेलने की अनुमति नहीं देनी चाहिए , बीते समय में हमने कड़े फैसले नहीं किए अगर इन खिलाड़ियों को चार या पांच साल की सजा काटने के बाद फिर से खेलने की अनुमति दे दी जाती है तो कोई फायदा नहीं।

मोहम्मद हफीज ने लाहौर में कहा कि क्रिकेट में भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों को पूरी सजा दी जानी चाहिए ताकि खिलाड़ी इस तरह की चीज करने से पहले दो बार सोचे, उन्होंने कहा, मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन ये फिक्सिंग प्रकरण हमारे क्रिकेट को बीते समय में भी काफी नुकसान पहुंचा चुके हैं। गौरतलब है कि अब तक हुई जांच में पाकिस्तान के पांच क्रिकेटरों को संदेह के कारण निलंबित किया जा चुका है, शुक्रवार को बल्लेबाज शाहजेब हसन को भी अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया था, उनको आरोप पत्र भी दिया गया है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा कि उसने हसन को आरोप का नोटिस जारी किया है और क्रिकेट के सभी प्रारूपों में हिस्सा लेने से तुरंत प्रभाव से अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है, इससे पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान को भी निलंबित कर दिया था। शारजील खान, खालिद लतीफ और मोहम्मद इरफान तो नेशनल टीम का हिस्सा हैं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड - पीसीबी- ने पिछले दिनों ही करीब सात फुट लंबे तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान को पाकिस्तान क्रिकेट लीग पीएसएल से जुड़े स्पॉट फिक्सिंग मामले में निलंबित सस्पेंड किया था। मोहम्मद इरफान से पहले शारजील खान, खालिद लतीफ और नासिर जमशेद को भी यह सजा दी गई थी, पीसीबी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने पाकिस्तान के तीन खिलाड़ियों मोहम्मद इरफान, जुल्फिकार बाबर और शाहजेब हसन से भी पाकिस्तान सुपर लीग में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में पूछताछ की थी। हालांकि जुल्फिकार बाबर और शाहजेब हसन को गलत नहीं पाया गया है। गौरतलब है कि शारजील, खालिद और इरफान तीनों पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड टीम की ओर से खेलते हैं, जिसके कप्तान मिस्बाह उल हक हैं। इस्लामाबाद टीम प्रबंधन ने इस प्रकरण के सामने आने के बाद इरफान को दूसरे मैच में नहीं खिलाया था,जबकि वह टीम की ओर से पहले मैच में खेले थे।

तजामुल ईस्लाम के संघर्ष की हुई जीत

जम्मू। किकबॉक्सिंग चैंपियन तजामुल इस्लाम को प्रशिक्षित करने वाली एकेडमी को खेल के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है। कुछ दिन पहले ही तजामुल ने खेल से संबंधित सुविधाओं में कमी पर जम्मू कश्मीर सरकार की आलोचना की थी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के निर्देश पर उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा में स्थित अली एकेडमी को खेल के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10 लाख रुपए प्रदान की गई है। महबूबा मुफ्ती जम्मू कश्मीर राज्य खेल परिषद की अध्यक्ष भी हैं, कुछ दिन पहले दुनिया की सबसे कम उम्र की किक बॉक्सिंग चैंपियन ने खेल से संबंधित पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की थी।

गौरतलब है कि खेलमंत्री विजय गोयल ने जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से राज्य के किकबाक्सरों को उचित बुनियादी ढांचा मुहैया कराने का अनुरोध किया थाए चूंकि एक पदक विजेता युवा कश्मीरी खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करके ऐसी मांग की थी। आठ साल की कश्मीरी लड़की ताजामुल इस्लाम ने इटली में 2016 विश्व किकबाक्सिंग चैम्पियनशिप में सब जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, उसने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में सरकार से अपील की कि राज्य के खिलाड़ियों के लिए इनडोर सुविधायें मुहैया कराई जाए।

फाइनल में भिड़ सकती हैं सिंधु और साइना

सिंधु और साइना इससे पहले केवल एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भिड़ी हैं। ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधु 28 मार्च से दो अप्रैल के बीच यहां सिरी फोर्ट खेल परिसर में होने वाली 325,000 डॉलर इनामी इंडिया ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में लंदन खेलों की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल से भिड़ सकती है। ड्रॉ के अनुसार विश्व में 5वें नंबर की सिंधु अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर की झियोयु लियांग के खिलाफ करेगी और दूसरे दौर में उनका मुकाबला जापान की सीना कवाकामी से हो सकता है। छठी वरीयता प्राप्त साइना पहले दौर में चीनी ताइपै की चिया सिन ली से भिड़ेंगी और फिर थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ सकती है। सिंधु और साइना इससे पहले केवल एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भिड़ी हैं। इन दोनों के बीच 2014 सैयद मोदी टूर्नामेंट में मुकाबला हुआ था जिसमें साइना सीधे गेम में जीती थी। दोनों हालांकि पीबीएल में भिड़ती रही हैं और इस साल सिंधु इसमें विजयी रही थी।

जिमनास्टिक्स में भगवान हैं नादिया

दीपा करमाकर को रूस की महान जिमनास्ट नादिया कोमानेकी से मिलने का मौका मिला, जिन्होंने इस भारतीय को अपने प्रोडुनोवा वॉल्ट में कुछ बदलाव करने का भी सुझाव दिया। नादिया ओलंपिक इतिहास में पहली जिमनास्ट बनी थी, जिन्होंने 1976 मांट्रियल ओलंपिक में परफेक्ट 10-0 का स्कोर हासिल किया था। दीपा ने आज यहां पत्रकारों से कहा कि नादिया जिमनास्टिक्स में हम सभी के लिए भगवान हैं, मुझे उनसे बैठकर बात करने का मौका मिला, उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अगर मैं अपनी प्रोडुनोवा वॉल्ट में कुछ बदलाव करूं तो यह बेहतर होगा, उन्होंने अच्छी टिप्पणी की और मैं उनसे मिलने के लिए उत्साहित थी, दीपा का लक्ष्य 2020 ओलंपिक, 2018

एशियाई खेल उनके लक्ष्य के बारे में पूछने पर दीपा ने कहा 2020 ओलंपिक 2018 एशियाई खेल भी हैं, मेरे कोच ने 2020 खेलों के लिए रोडमैप बनाया है, लेकिन हमारा मुख्य लक्ष्य वॉल्ट ही होगा।

निशानेबाजी मे स्वर्ण

जीतू राय ने एक बार फिर से बेहतरीन वापसी का नजारा पेश करते हुए आज यहां आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में पुरूषों की 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि एक अन्य भारतीय अमनप्रीत सिंह रजत पदक हासिल करने में सफल रहे। राय ने इससे पहले दस मीटर पिस्टल में कांस्य पदक जीता था और उन्होंने यहां फाइनल में अपने अनुभव का बखूबी इस्तेमाल करके सोने का तमगा हासिल किया।

बिजनेस न्यूज

थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम की दरों में 50 फीसद होगी बढ़ोतरी, आईआरडीएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली। बैंकिंग सेवाओं में कई तरह की कटौतियों के बाद अब बीमा क्षेत्र में भी ग्राहकों पर गाज गिराने की तैयारी है। बीमा नियामक आइआरडीएआइ (इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथारिटी ऑफ इंडिया) ने पहली अप्रैल से थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम की दरों में 50 फीसद तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है। केवल 1000 सीसी से कम क्षमता की छोटी कारों को इससे बख्शा गया है। सड़क दुर्घटना बीमा के सिलसिले में आइआरडीएआइ ने 1000 सीसी-1500 सीसी तक इंजन क्षमता वाली कारों पर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम को मौजूदा 2055 रुपये से बढ़ाकर 3355 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। दूसरी ओर, 1500 सीसी से अधिक क्षमता वाली बड़ी तथा एसयूवी कारों पर थर्ड पार्टी प्रीमियम मौजूदा 6164 रुपये से बढ़ाकर 9246 रुपये करने का प्रस्ताव है। ग्राहकों को लग रही चपत इससे पहले सरकार मोटर वाहन संशोधन विधेयक के तहत मोटर दुर्घटना में मारे जाने वाले

लोगों को मुआवजे की राशि को अधिकतम 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव कर चुकी है। जबकि अभी मोटर एक्सिडेंट टिब्यूनल दुर्घटना पीड़ित की हैसियत और हालात के मुताबिक मुआवजे का निर्धारण करता है तो कई लाख से लेकर करोड़ों रुपये तक भी हो सकता है। यही वजह है कि संसद की परिवहन संबंधी समिति ने इस प्रस्ताव को नकार दिया है। मोटर संशोधन बिल में थर्ड पार्टी मोटर प्रीमियम की भी चर्चा है। माना जाता है कि विरोध की आशंका के मद्देनजर सरकार प्रीमियम की इन प्रस्तावित दरों को कुछ कम करने पर विवश हो सकती है। थर्ड पार्टी बीमा जरूरी मोटर वाहन अधिनियम, 1988 तथा मोटर वाहन नियमावली, 1989 के अनुसार सड़क दुर्घटना से प्रभावित/पीड़ित होने वाले लोगों (तीसरे पक्ष) के जान/माल के नुकसान की भरपाई व मुआवजे के लिए मोटर वाहन का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस अनिवार्य है। जबकि खुद के नुकसान की भरपाई वाला ओन डैमेज इंश्योरेंस ऐच्छिक है। दोनों को मिलाकर समग्र (कंप्रेहेंसिव) मोटर बीमा पॉलिसी लेने पर थर्ड पार्टी हिस्से के तौर पर 30 फीसद राशि देनी पड़ती है। डीएल/फिटनेस शुल्क बढ़ चुके इससे पहले केंद्र सरकार एक जनवरी, 2017 से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस जांच व सर्टिफिकेट के शुल्कों में कई गुना बढ़ोतरी कर चुकी है। लर्निंग लाइसेंस की फीस 30 के बजाय 200 रुपये, जबकि मोहलत अवधि के बाद डीएल नवीकरण की फीस 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी गई है।दुपहियों के फिटनेस टेस्ट के लिए नया शुल्क 60 रुपये के बजाय 200 रुपये (मैनुअल) व 400 रुपये (आटोमेटेड) है। इसी तरह तिपहियों का 200 रुपये के बजाय 400 व 600 रुपये तथा भारी वाहनों का 500 रुपये के बजाय 600 रुपये व 1000 रुपये कर दिया गया है। भारी विरोध के बाद अब सरकार ने राज्यों को इन दरों में अपने स्तर पर कमी करने का अधिकार दिया है। लेकिन किसी भी राज्य ने अभी तक बढ़ी दरें कम नहीं की हैं। दुपहिया वाहन-दुपहियों का थर्ड पार्टी प्रीमियम भी बढ़ाने की मंशा है। इसमें 75 सीसी-150 सीसी तक के दुपहियों पर थर्ड पार्टी प्रीमियम 619 रुपये से बढ़ाकर 720 रुपये, जबकि 150 सीसी-350 सीसी तक के दुपहियों का प्रीमियम 693 रुपये के बजाय 978 रुपये किया जा सकता है। दूसरी ओर 350 सीसी से अधिक क्षमता वाले दुपहियों के लिए 796 रुपये के बजाय 1194 रुपये का थर्ड पार्टी प्रीमियम अदा करना पड़ सकता है। ट्रक-कॉमर्शियल वाहनों (ट्रकों) का थर्ड पार्टी प्रीमियम भी बढ़ेगा। इसमें 7.5 टन-12 टन भार वहन क्षमता वाले ट्रकों को अब 23,047 रुपये का थर्ड पार्टी प्रीमियम भरना पड़ सकता है। अभी यह 15,365 रुपये है।

इसी प्रकार 12 टन-20 टन के ट्रकों का थर्ड पार्टी प्रीमियम 22,577 रुपये से बढ़कर 33,865 रुपये हो सकता है। जबकि 20-40 टन क्षमता के ट्रकों के लिए 24,708 रुपये के स्थान पर 37,062 रुपये थर्ड पार्टी प्रीमियम के बतौर अदा करने पड़ सकते हैं। ट्रैक्टर- ट्रैक्टरों को भी नहीं छोड़ा गया है। 6 एचपी तक के ट्रैक्टर का थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम 510 के बजाय 765 रुपये होगा।

पुराने को नये नोटों से बदलने में आई लागत के संबंध में कोई जानकारी नही दी सरकार ने

नईदिल्ली। सरकार ने बंद किए गए कुल नोटों को नये नोटों से बदलने में आई लागत के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है, 500 और 2000 रुपये के हर नये नोट की छपाई का खर्च 2.87 रुपये से 3.77 रुपये के बीच है। बुधवार को सरकार ने यह जानकारी दी है। लेकिन सरकार ने बंद किए गए कुल नोटों को नये नोटों से बदलने में आई लागत के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है।

राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि, 500 रुपये का प्रत्येक नया नोट छापने की अनुमानित लागत 2.87 रुपये से 3.09 रुपये तक है, जबकि 2000 रुपये के प्रत्येक नए नोट की छपाई लागत 3.54 रुपये से लेकर 3.77 रुपये है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 500 और 2000 के नये नोटों को छापने की कुल लागत बताना फिलहाल जल्दबाजी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए नए नोटों की छपाई लगातार की जा रही है। आपको बता दें कि

24 फरवरी 2017 के अनुसार भारत में कुल 11.64 लाख करोड़ रुपये की मुद्रा चलन में है। 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट बंद किए जाने के बाद आरबीआई करेंसी चेस्ट में 10 दिसंबर 2016 तक 12.44 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा हुई है। उन्होंने कहा कि जमा हुए पुराने नोटों में नकली नोटों की पहचान की जा रही है और इसकी पुर्नगणना (फिर से गिनती) जारी है।

एक अन्य सवाल के उत्तर में मेघवाल ने बताया किआर बी आई ने नये 500 और 2000 रुपये के नोटों की छपाई के लिए कागज मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं से खरीदा था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि देश में कुल 2.18 लाख एटीएम हैं, जिसमें से 1.98 लाख को 4 जनवरी 2017 तक नये 500 और 2000 नोटों के हिसाब से ठीक किया जा चुका है। अर्जुन मेघवाल ने बताया कि ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स (ओईएम) संबंधित बैंकों के साथ मिलकर शेष एटीएम को रिकैलीब्रेट करने का काम कर रहे हैं।

एनपीए से निपटना चुनौतीपूर्ण कार्य - जेटली

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बुधवार को बताया कि बैंकों की गैर निष्पादित परिसंपत्तियों या एनपीए में वृद्धि की दर मार्च तिमाही में धीमा हो गई है और इस्पात क्षेत्र में सुधार दिखाना शुरू हो गया है। अरुण जेटली ने संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि एनपीए की मुख्य समस्या बड़े कार्पोरेट्स के साथ है, जो कि संख्या में सीमित हैं। इनमें मुख्य रूप से इस्पात, बिजली, बुनियादी

ढांचे और कपड़ा क्षेत्र आते हैं। उन्होंने कहा, बैंक के एनपीए से निपटना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, हालांकि एनपीए की दर ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में गिरावट दर्शाई है। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों ने 2003 से 2008 की अवधि के दौरान अपनी क्षमता का विस्तार किया, लेकिन वो इसके बाद वैश्विक वित्तीय संकट और मंदी का सामना नहीं कर सके। जेटली ने कहा, सरकार एनपीए की समस्या विशेष रूप से बड़े कर्ज से निपटने के लिए क्षेत्रीय विशेष उपाय कर रही है। स्टील क्षेत्र सुधार के रास्ते पर है। जबकि बुनियादी ढांचा, बिजली और कपड़ा क्षेत्रों में कई समस्याओं के समाधान के लिए फैसले किए गए हैं।

इन्कम टैक्स में छूट पाने के लिए कहाँ इन्वेस्ट करें कहां ना करें

नई दिल्ली। वित्त वर्ष के दौरान सेक्शन 80जी के अंतर्गत उपलब्ध विकल्पों में 1.5 लाख रुपए तक निवेश करके आप आयकर में छूट पा सकते हैं। अब चूंकि वित्त वर्ष समाप्त होने में 2 महीने से भी कम का समय रह गया है तो जिन करदाताओं ने अब तक निवेश नहीं किया वे सब असमंजस में हैं कि कहां निवेश करना बेहतर होगा। निवेश कहां ना करें सिर्फ टैक्स बचाने के लिए बीमा खरीदना सरासर मूर्खता है। आपको आपके ऊपर निर्भर व्यक्तियों की आर्थिक सुरक्षा के लिए ही बीमा खरीदना चाहिए और वो भी ऑनलाइन टर्म प्लान। अतः आप सिर्फ टैक्स बचाने के लिए बीमा पॉलिसी न खरीदें न ही कोई युलिप प्लान खरीदें।

वैसे इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम एक अच्छा विकल्प है। परंतु यहां मिलने वाला रिटर्न शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। ऐसे में इस विकल्प में आपका एकमुश्त राशि निवेश करना समझदारी नहीं होगी। ईएलएसएस में निवेश पूरे साल में औसत तरीके से किया जाना चाहिए। आप चाहें तो अगले वर्ष के लिए अप्रैल से ही अच्छे ईएलएसएस फंड में नियमित निवेश की शुरूआत कर सकते हैं। कहां करें निवेश? अब चूंकि ब्याज की दरें कम हो रही हैं और इसके भविष्य में भी कम होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। आपको निवेश ऐसे विकल्प में करना चाहिए जहां

एनएससी आकर्षक क्यों ?

बैंक एफडी के मुकाबले एनएससी ज्यादा आकर्षक विकल्प है क्योंकि जरूरत पड़ने पर आप एनएससी के सामने बैंक से लोन भी ले सकते हैं। इसके अलावा एनएससी पर मिलने वाला ब्याज आपकी आय में जुड़ता है लेकिन शुरू के चार वर्षों में मिले ब्याज पर आप सेक्शन 80सी में कटौती का लाभ भी ले सकते हैं।

ब्याज दरों के कम होने के बाद भी आपका रिटर्न न घटे। वैसे, पांच साल की टैक्स सेविंग फिक्सड डिपॉजिट या नेशनल सेविंग सर्टीफिकेट में निवेश किया जा सकता है। बैंक एफडी में आपको 6.50 फीसद से 7.50 फीसद तक का रिटर्न अगले पांच वर्षों तक मिलेगा। वहीं एनएससी में मौजूदा ब्याज दर 8 फीसद है, जो आने वाले पांच वर्षों के लिए निश्चित है।